tonnes. An outlay of Rs. 2984 crores has been provided in the Eighth Five Year Plan for various schemes to increase the capacity and productivity of Major Ports. As per the Eighth Five Year Plan, it has been envisaged to increase the aggregate capacity of all Major Ports to approx. 237 million tonnes by 31-3-1997.

(b) The aggregate traffic handled during each of the last three years by all Major Ports was as follows :

Year	Traffic (in million tonnes)
1991-92	157.6
1992-93	166.6
1993-94	178.3

(c) The number of vessels which waited for more than five days before berthing at Major Ports during the last three years is as given below :

Year	Number of vessels
1991-92	707
1992-93	1011
1993-54	1037

(d) During the Eighth Five Year Plan an outlay of Rs. 2884 crores has been provided for taking up various schemes to increase the capacity and productivity of Major Ports. Instruction have been issued to all Major Port Trusts for improving their performance and provide efficient services. The average pre-berthing detention time came down from 1.9 days in the year 1992-93 to 1.8 days in the year 1993-94. The average turn-round time reduced from 7.6 days in the year 1992-93 to 6.9 days in the year 1993-94.

(e) and (f) Yes, Sir. Broadly, the following areas have been identified for private sector participation in the port sector :

(i) Construction, operation and maintenance of container terminals.

(ii) Construction, operation & maintenance of cargo handling terminals.

(iii) Creation, operation & maintenance of dry docking and ship repair facilities.

(iv) Creation & operation of new warehousing & storage facilities.

(v) Provision, operation & maintenance of floating crafts.

(vi) Provision of cranage services.

(vii) Dredging.

(viii) General maintenance and other miscellaneous services.

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 का रख-रखाव

2459. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन राज्यों के नाम क्या-क्या हैं, जहां से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 गुजरता है तथा क्रमशः प्रत्येक राज्य में इस राजमार्ग संख्या-2 की लम्बाई कितनी-कितनी है; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उन राज्यों को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 की मरम्मत तथा देख-भाल के लिए कितनी धनराशि दी गई, जहां से यह राजमार्ग गुजरता है;

(ग) क्या इन राज्यो मे दी गयी राशि का समुचित उपयोग किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) :

(क) दिल्ली . .	12 कि० मी०
हरियाणा . .	71 कि० मी०
उत्तर प्रदेश . .	777 कि० मी०
बिहार . .	392 कि० मी०
पश्चिम बंगाल .	235 कि० मी०
जोड़ :	1490 कि० मी०

(ख) से (घ) राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए निधियां राष्ट्रीय राजमार्ग-वार नहीं बल्कि राज्य-वार आबंटित/जारी की जाती है तथापि, उपर्युक्त राज्यों में पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए जारी की गई निधियां और उन पर किया गया खर्च नीचे दिया गया है :—

(लाख रु०)

राज्य का नाम	1991-92		1992-93		1993-94	
	आबंटन	खर्च	आबंटन	खर्च	आबंटन	खर्च
बिहार . .	1012.30	1089.731	1072.66	1072.73	1276.45	1264.74
दिल्ली . .	163.00	211.73	171.80	191.89	208.21	145.75
हरियाणा . .	362.29	401.66	380.83	401.08	513.86	747.08
उत्तर प्रदेश .	1312.05	1365.62	1394.96	1462.38	1710.52	1889.38
पश्चिम बंगाल .	1284.35	1377.39	1071 51	565 17	1760.45	प्राप्त नहीं हुए